

रामसर स्थल और वशिव पर्यावरण दविस

चर्चा में क्यों?

[वशिव पर्यावरण दविस](#) पर भारत ने दो और [आरद्रभूमियाँ](#)—फालोदी के खीचन और उदयपुर के मेनार—को [अंतराष्ट्रीय महत्त्व की आरद्रभूमियों की रामसर सूची](#) में शामिल किया।

- इन सम्मेलनों के साथ भारत में रामसर स्थलों की कुल संख्या 91 हो गई है।

वशिव पर्यावरण दविस (WED)

- इतिहास एवं परिचय:
 - वशिव पर्यावरण दविस की स्थापना वर्ष 1972 में स्टॉकहोम में आयोजित [मानव पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन](#) के दौरान की गई थी।
 - उसी वर्ष बाद में, [संयुक्त राष्ट्र महासभा](#) ने [आधिकारिक तौर पर 5 जून](#) को वशिव पर्यावरण दविस के रूप में घोषित किया।
 - पहला उत्सव 1973 में “[ओनली वन अर्थ](#)” थीम के साथ मनाया गया, जो पर्यावरण जागरूकता के लिये सबसे बड़े वैश्विक मंच की शुरुआत थी।
 - वर्ष 2021 में WED समारोह ने [पारस्थितिकी तंत्र बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक \(2021-2030\)](#) की शुरुआत की, जो वनों से लेकर खेतों तक, पहाड़ों की चोटियों से लेकर समुद्र की गहराई तक अरबों हेक्टेयर भूमि को पुनर्जीवित करने का एक वैश्विक मशिन है।
- WED 2025:
 - कोरिया गणराज्य वशिव पर्यावरण दविस 2025 की मेज़बानी कर रहा है जिसका फोकस [वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने](#) पर है।
 - वर्ष 2025 की थीम है “[बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन](#)”, जो प्लास्टिक अपशिष्ट को कम करने पर वैश्विक ध्यान केंद्रित करता है।
 - भारत ने वर्ष 2018 में ‘[बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन](#)’ थीम के अंतर्गत वशिव पर्यावरण दविस के 45 वें समारोह की मेज़बानी की थी।

प्रमुख बंदि

- खीचन आरद्रभूमि:
 - परिचय:
 - यह राजस्थान के जैसलमेर शहर से लगभग 171 किमी दूर [खीचन गाँव](#) में स्थित है।
 - इसमें दो जल नकिया, रात्रनिदी और वजियसागर तालाब, तटवर्ती आवास और झाड़ीदार भूमि शामिल हैं।
 - प्रवासी पक्षी आवास:
 - अभयारण्य में तीन प्रवासी पक्षी प्रजातियाँ पाई जाती हैं: कुरजन, करकरा और कुंच, जनिहें स्थानीय रूप से डेमोइसेल क्रेन के नाम से जाना जाता है।
 - [खीचन पक्षी अभयारण्य](#) वशिव स्तर पर “[डेमोइसेल क्रेन गाँव](#)” के रूप में प्रसिद्ध है, जो वशिव भर से पक्षी प्रेमियों और शोधकर्त्ताओं को आकर्षित करता है।
 - ये पक्षी दक्षिण-पश्चिम यूरोप, [काला सागर](#), पोलैंड, यूक्रेन, कज़ाकस्तान, मंगोलिया और उत्तरी तथा दक्षिणी अफ्रीका के कुछ हस्सों से खीचन की ओर प्रवास करते हैं।
- मेनार आरद्रभूमि:
 - परिचय:
 - मेनार आरद्रभूमि राजस्थान के उदयपुर में स्थित एक [मीठे जल की मानसून आरद्रभूमि परिसरों](#) में से एक है।
 - यह आरद्रभूमि तीन आपस में जुड़े तालाबों—[ब्रह्म तालाब](#), [धंद तालाब](#), और [खेड़ोड़ा तालाब](#)—के साथ-साथ [धंद और खेड़ोड़ा](#) को जोड़ने वाली कृषि भूमि से मिलकर बनती है।
 - मानसून के दौरान, आसपास के खेतों में बाढ़ आ जाती है, जिससे जल पक्षियों के लिये अतिरिक्त आवास बन जाता है।
- जैवविविधता और प्रमुख प्रजातियाँ:
 - यह स्थल विविध पक्षी जीवन का समर्थन करता है, जिसमें अतिसंकटग्रस्त [व्हाइट बैकड वलचर \(Gyps bengalensis\)](#) और [लॉन्ग-बिलिड वलचर \(Gyps indicus\)](#) शामिल हैं।

- इसमें 70 से अधिक पादप प्रजातियाँ भी हैं, जिनमें ब्रह्म तालाब के पास आम के वृक्ष (मैंगीफेरा इंडिका) भी शामिल हैं
 - आम के वृक्ष **इंडियन फ्लाईंग फॉक्स (Pteropus giganteus)** की एक बड़ी कॉलोनी के लिये आश्रय स्थल के रूप में काम करते हैं, जिससे आर्द्रभूमि की पारस्थितिकी समृद्धि में वृद्धि होती है।
- **समुदाय-पररति संरक्षण का मॉडल:**
 - इसे राजस्थान में **समुदाय-संचालित संरक्षण** के बेहतरीन उदाहरणों में से एक माना जाता है।
 - मेनार गाँव के निवासी वन्यजीवों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा कृषेतर में अवैध शिकार और मत्स्यन को रोकने के लिये सक्रिय रूप से काम करते हैं।
- **रामसर अभिसमय**
 - **परिचय:**
 - **रामसर अभिसमय** एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जिस पर वर्ष 1971 में ईरान के रामसर में **यूनेस्को** के तत्वाधान में हस्ताक्षर किये गये थे, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों का संरक्षण करना है।
 - भारत में यह अधिनियम **1 फरवरी 1982** को लागू हुआ, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया गया।
 - **अगस्त 2024 तक, तमिलनाडु (18)** में रामसर स्थलों की संख्या सबसे अधिक है, उसके बाद **उत्तर प्रदेश (10)** का स्थान है।
 - **मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड** अंतरराष्ट्रीय महत्त्व के उन **आर्द्रभूमि स्थलों** का रजिस्टर है, जहाँ तकनीकी विकास, प्रदूषण या अन्य मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप **पारस्थितिकी चरित्र में परिवर्तन हुए हैं, हो रहे हैं या होने की संभावना है।**
 - इसे **रामसर सूची** के भाग के रूप में रखा गया है।
 - **रामसर स्थलों की पहचान के लिये मानदंड:**
 - वर्तमान में, अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों की पहचान के लिये नौ मानदंड हैं, जिनमें प्रतिनिधि, दुर्लभ या अद्वितीय आर्द्रभूमि प्रकार वाले स्थल; जैवविविधता के संरक्षण के लिये अंतरराष्ट्रीय महत्त्व के स्थल; जलपक्षियों, मछलियों आदि पर आधारित वशिष्ट मानदंड शामिल हैं।

रामसर अभिसमय (RAMSAR CONVENTION)

परिचय:

- ♦ इसे आर्द्रभूमियों पर अभिसमय के रूप में भी जाना जाता है।
- ♦ यह एक अंतर-सरकारी संधि है जिसे वर्ष **1971** में रामसर, ईरान में अपनाया गया।
- ♦ वर्ष **1975** में इसे लागू किया गया।
- ♦ ऐसी आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया जाता है जो अंतराष्ट्रीय स्तर पर महत्त्व रखती हों।
- ♦ **विश्व का सबसे बड़ा रामसर स्थल:** पैटानल, दक्षिण अमेरिका।

मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड:

- ♦ वर्ष **1990** में मॉन्ट्रेक्स (स्विट्जरलैंड) में इसे अपनाया गया।
- ♦ यह उन रामसर स्थलों की पहचान करता है जिनके संरक्षण हेतु राष्ट्रीय या अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है।

आर्द्रभूमियाँ:

- ♦ आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहाँ भूमि मौसमी अथवा स्थायी रूप से जल (खारा या मीठा/ताजा अथवा इन दोनों के बीच की स्थिति) से ढकी होती है।

- ♦ यह नदियों, दलदल, मैंग्रोव, कीचड़ युक्त भूमि, तालाबों, जलमग्न स्थान, बिलबोंग (नदी की वह शाखा जो आगे चलकर समाप्त हो गई हो), लैगून, झीलों और बाढ़ के मैदानों सहित विभिन्न रूपों में हो सकती है।

- ♦ **विश्व आर्द्रभूमि दिवस: 2 फरवरी**

भारत और रामसर अभिसमय:

- ♦ भारत में रामसर अभिसमय वर्ष **1982** में लागू हुआ।
- ♦ **रामसर स्थलों की कुल संख्या: 75**
- ♦ चिल्का झील (ओडिशा), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), हरिके झील (पंजाब), लोकटक झील (मणिपुर), तुलर झील (जम्मू और कश्मीर) आदि।
- ♦ **भारत में संबंधित फ्रेमवर्क**
 - ❖ आर्द्रभूमियों के संरक्षण तथा प्रबंधन हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, **1986** के प्रावधानों के तहत 'आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) अधिनियम, **2017**' को अधिसूचित किया है।
 - ❖ ये नियम आर्द्रभूमियों के प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करते हैं तथा राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण या केंद्रशासित प्रदेश आर्द्रभूमि प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करते हैं।

प्रमुख तथ्य

- ♦ **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थल:** सुंदरबन, पश्चिम बंगाल
- ♦ **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थल:** वेम्बनूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स, तमिलनाडु
- ♦ **सर्वाधिक रामसर स्थल वाला राज्य:** तमिलनाडु (14)
- ♦ **मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल आर्द्रभूमियाँ:**
 - ❖ केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
 - ❖ लोकटक झील, मणिपुर



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ramsar-sites-and-world-environment-day>

